क्या आप सच्चे बपतिस्मा से बपतिस्मा ग्रहण कर चुके हैं?

ईसा मसीह ने चर्च को जो सबसे महत्वपूर्ण आज्ञाएँ दी हैं, उनमें से एक बपतिस्मा भी है।
अन्य ईसाई प्रथाओं—जैसे कि प्रभु भोज, विश्वासियों के पैरों की धोने की प्रथा, और पूजा के दौरान महिलाओं का सिर ढकना—के साथ बपतिस्मा भी विशेष महत्व रखता है। यह पश्चाताप और पापों की क्षमा का प्रतीक है, और यह विश्वासियों को मसीह की मृत्यु, दफन और पुनरुत्थान के साथ पहचानता है (रोमियों 6:3-4)।

हालाँकि, शैतान ने बपतिस्मा को इस प्रकार विकृत कर दिया है कि अक्सर यह सही तरीके से नहीं किया जाता, क्योंकि वह जानता है कि बपतिस्मा विश्वासियों के जीवन को बदलने की शक्ति रखता है। यह छल-प्रपंच आरंभ से ही चलता आया है—ईश्वर के वचन को मोड़ने और लोगों को पूर्ण सत्य अपनाने से रोकने के लिए।

बपतिस्मा के सूत्र का प्रश्न

आज कई चर्च लोगों या नवजात शिशुओं को पानी छिड़क कर बपतिस्मा देते हैं और मत्ती 28:19 के वचन का उपयोग करते हैं:

“इसलिए जाओ और सब राष्ट्रों को शिष्य बनाओ, उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।”

लेकिन सवाल यह है: क्या यह बपतिस्मा का सूत्र बाइबिल के अनुसार सही अर्थ और प्रथा में है?

शास्त्रों में यीशु के नाम को समझना

आध्यात्मिक दृष्टि और शास्त्रों की समझ की कमी के कारण, कई चर्च के नेता बाइबिल सत्य से दूर हो गए हैं। उन्होंने पाखंडपूर्ण या अन्य धार्मिक शिक्षाएँ अपनाई, और कुछ अपनी स्थिति खोने के डर से जानबूझकर सत्य छिपाते हैं। यीशु ने ऐसे पाखंड के खिलाफ चेतावनी दी:

मत्ती 23:13:

“दुरभाग्य है तुम पर, धर्मशास्त्रियों और फरीसियों के
नेताओं, हे कपटी! तुम स्वर्ग के राज्य के द्वार लोगों के
सामने बंद कर देते हो। तुम स्वयं प्रवेश नहीं करते और न ही उन्हें आने देते हो जो प्रवेश करना चाहते हैं।”

यूहन्ना 5:42-43: “पर मैं तुम्हें जानता हूँ; मैं जानता हूँ कि तुम्हारे हृदय में परमेश्वर का प्रेम नहीं है। मैं अपने पिता के नाम में आया हूँ, और तुम मुझे स्वीकार नहीं करते; परन्तु यदि

कोई अपने नाम में आए, तो तुम उसे स्वीकार कर लोगे।”

यह स्पष्ट करता है कि यीशु का नाम उसके पिता के नाम और अधिकार का प्रतिनिधित्व करता है। यह सिद्धांत रूप से पिता और पुत्र की एकता को प्रमाणित करता है (यूहन्ना 10:30)।

यूहन्ना 14:26:

“परन्तु सहायकों, अर्थात पवित्र आत्मा, जिसे पिता मेरे नाम
में भेजेंगे, वह तुम्हें सब कुछ सिखाएगा और जो कुछ मैंने तुम्हें कहा है, उसकी याद दिलाएगा।”

यह दर्शाता है कि पवित्र आत्मा भी यीशु के नाम में आता है, जो दिव्य एकता और नाम में शक्ति को दिखाता है।

मत्ती 1:20:

“परन्तु जोसेफ, दाऊद के पुत्र, मरी को अपनी पत्नी लेने से मत डरो; क्योंकि जो उसमें गर्भधारण हुआ है वह पवित्र आत्मा से है।”

यह दिखाता है कि पवित्र आत्मा (जो कभी-कभी पिता के कार्यात्मक या संबंधपरक रूप में कहा जाता है) यीशु मसीह के अवतार में सक्रिय है—जो उद्धार के काम में परमेश्वर की अविभाज्य एकता को दर्शाता है।

त्रित्व: उपाधियाँ बनाम नाम

पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा शब्द उपाधियाँ हैं जो परमेश्वर के कार्यों को दर्शाती हैं, अलग-अलग नाम नहीं। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति पिता, पति और दादा हो सकता है, लेकिन उसका एक ही नाम हो सकता है—जैसे जॉन। इसी तरह, बाइबिल सिखाती है कि एक ही परमेश्वर है (व्यवस्थाविवरण 6:4) और उसका एक ही नाम है—यीशु मसीह (फिलिप्पियों 2:9-11)।

प्रारंभिक चर्च में बपतिस्मा

नए नियम में, बपतिस्मा लगातार यीशु मसीह के नाम में किया गया है, न कि “पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा” के वाक्यांश का उपयोग कर। यह अभ्यास यीशु के सर्वोच्च अधिकार और नाम की शक्ति को प्रमाणित करता है।

प्रेरितों के काम 2:37-38: “पतरस ने कहा, ‘तुम सब पश्चाताप करो और यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ग्रहण करो, ताकि तुम्हारे पाप क्षमा हो जाएँ। और तुम पवित्र आत्मा की देन प्राप्त करोगे।'”

प्रेरितों के काम 8:12: “पर जब वे फ़िलिप ने परमेश्वर के राज्य और यीशु मसीह के नाम की सुसमाचार सुनकर विश्वास किया, तब उन्हें, पुरुष और महिला दोनों को, बपतिस्मा दिया गया।”
प्रेरितों के काम 8:14-17: “जब यरूशलेम के प्रेरितों ने सुना कि सामरिया ने परमेश्वर के वचन को स्वीकार किया है, तो उन्होंने पतरस और योहान को वहाँ भेजा। वहाँ पहुँचकर उन्होंने नए विश्वासियों के लिए प्रार्थना की कि उन्हें पवित्र आत्मा मिले, क्योंकि अब तक किसी पर पवित्र आत्मा नहीं आया था; उन्हें केवल प्रभु यीशु के नाम से बपतिस्मा दिया गया था।”

यह सभी उदाहरण यीशु के नाम में बपतिस्मा की प्रेरितों की प्रथा को दिखाते हैं और उसके नाम की शक्ति को पुष्ट करते हैं (फिलिप्पियों 2:9-11)।

बपतिस्मा का अर्थ और तरीका

ग्रीक शब्द baptizo का अर्थ है “डुबाना या डालना”। इसलिए, बपतिस्मा पूर्ण रूप से पानी में डुबोकर किया जाना चाहिए, जो पाप के प्रति मृत्यु और मसीह में नए जीवन के लिए पुनरुत्थान का प्रतीक है (रोमियों 6:3-4)। नवजात शिशुओं पर पानी छिड़कना या डालना शास्त्र द्वारा समर्थित नहीं है।

साथ ही, बपतिस्मा पश्चाताप और विश्वास की मांग करता है, जिसे शिशु प्रदर्शित नहीं कर सकते। बपतिस्मा उन लोगों के लिए है जो सचेत रूप से पश्चाताप करते हैं और यीशु मसीह के माध्यम से पापों की क्षमा प्राप्त करते हैं।

झूठी शिक्षाओं के खिलाफ बाइबिल की चेतावनी

प्रिय ईसाई, उन परंपराओं से दूर रहें जिन्हें यीशु ने “फरीसियों के खमीर” कहा (लूका 12:1)। सत्य खोजें, बदलाव के लिए तैयार रहें, और पवित्र आत्मा से मार्गदर्शन माँगें (यूहन्ना 16:13)। अपने उद्धार की रक्षा सबसे ऊपर रखें। परमेश्वर से प्रेम करें, सत्य से प्रेम करें, और बाइबिल से प्रेम करें।

यदि आपका पादरी बपतिस्मा के बारे में अलग सिखाता है, तो प्रेमपूर्वक पूछें कि क्यों। अगर वह अनजान है, तो उन्हें शास्त्र के अनुसार मार्गदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सच्चे बपतिस्मा का आह्वान

यदि आपने कभी बपतिस्मा नहीं लिया है या गलत तरीके से लिया है, तो यह अत्यंत आवश्यक है कि आप फिर से यीशु मसीह के नाम से अपने पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा ग्रहण करें। सच्चा बपतिस्मा उद्धार और आध्यात्मिक वृद्धि के लिए अनिवार्य है।

यदि आप सही तरीके से बपतिस्मा लेना चाहते हैं, तो किसी ऐसे चर्च से संपर्क करें जो बाइबिल की शिक्षाओं का पालन करता हो, या हमसे मदद के लिए संपर्क करें: 0789001312

[illegible]?

[illegible]

Share on:
WhatsApp

Print this post